पाठ - चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

प्रश्न और उत्तर

प्रश्न **1.** पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश क्यों नहीं दे सकता**?**

प्रश्न **2.** पत्र को खत, कागद, उत्तरम्, जाबू, लेख, कडिद, पाती, चिट्ठी इत्यादि कहा जाता है। इन शब्दों से संबंधित भाषाओं के नाम बताइए।

प्रश्न **3.** पत्र लेखन की कला के विकास के लिए क्या-क्या प्रयास हुए**?** लिखिए।

प्रश्न **4.** पत्र धरोहर हो सकते हैं लेकिन एसएमएस क्यों नहीं**?** तर्क सहित अपना विचार लिखिए।

प्रश्न **5.** क्या चिट्ठियों की जगह कभी फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ले सकते हैं**?**

पाठ से आगे
प्रश्न **1.** किसी के लिए बिना टिकट सादे लिफ़ाफ़े पर सही पता लिखकर पत्र बेरंग भेजने पर कौन-सी कठिनाई आ सकती है**?** पता कीजिए।

प्रश्न **2.** पिन कोड भी संख्याओं में लिखा गया एक पता है, कैसे**?**

प्रश्न **3.** ऐसा क्यों होता था कि महात्मा गांधी को दुनिया भर से पत्र 'महात्मा गांधी-इंडिया' पता लिखकर आते थे**?**

अतिरिक्त प्रश्न उत्तर **(Extra Question Answers)**

प्रश्न **1.** गाँवों या गरीब बस्तियों में डाकिए को किस रूप में देखा जाता है**?**

प्रश्न **2.** पत्रों के जवाब लिखते समय हाथ थक जाने पर गांधी जी क्या करते थे**?**

प्रश्न **3.** चिट्ठियों की आवाजाही को किसने प्रभावित किया है**?**

प्रश्न **4.** विश्व डाक संघ की ओर से सन् **1972** से किस प्रतियोगिता का सिलसिला शुरू किया गया था**?**

प्रश्न **5.** 'महात्मा और कवि' के नाम से कौन-सा संग्रह प्रकाशित हुआ है**?**

प्रश्न **6.** आज जैसे संचार साधन अगर नेहरू जी के समय में होता तो हमें किनसे वंचित रहना पड़ता**?**

प्रश्न **7.** पुराने समय में पत्रों का अधिक महत्व क्यों था**?**

प्रश्न **8.** पाठ के अनुसार भारत में रोज कितनी चिट्ठियाँ डाक में डाली जाती है और इससे क्या साबित होता है**?**

प्रश्न **9.** हमारे सैनिक पत्रों का इंतजार उत्सुकता से क्यों करते हैं**?**

प्रश्न **10.** संचार के कुछ आधुनिक साधनों के नाम उल्लेख करें**?**